आवधिक पाठ्यक्रम

सत्र 2019-20

कक्षा-VIII

विषय- संगीत

प्रथम आवधिक (अप्रैल -2019 से सितम्बर-2019)

- कक्षा VI से VII में सीखे सभी अलंकारों का अभ्यास एवं विद्यार्थियों द्वारा नये अलंकारों की स्वयं रचना।
- स्वर अभ्यास , स्वर साधना , राष्ट्रीय गान , राष्ट्रीय गीत का अभ्यास।
- सोमवार से शनिवार तक की प्रार्थनाएं एवं असेंबली की सी .डी से मार्चिंग गीतों का अभ्यास।
- मंचभय से मुक्ति , आत्मविश्वास एवम् उत्तम कंठ ध्वनि द्वारा एक अच्छे मंच-प्रदर्शन का अभ्यास।
- क्षेत्रीय प्रतियोगिता का प्रशिक्षण एवं अभ्यास - (सुगम संगीत , शास्त्रीय संगीत ,वाद्य संगीत , लोकगीत , समूह गान , कव्वाली नृत्य आदि)।
- वाद्यों का वर्गीकरण : अलग अलग क्षेत्रो में विद्यमान वाद्यों का परिचय।
- किसी भी प्रदेश का लोकगीत सीखें एवं इससे सम्बंधित लय ताल तथा अन्य जानकारी।
- नाद की तारता , तीव्रता एवं नाद की जाति का स्वरों से सम्बन्ध।
- परिभाषा : सप्तक : मन्द्र , मध्य एवं तार l कण , गींड आलाप एवं तान।
- सामाजिक समस्याओं (जैसे population education आदि) पर आधारित एक गीत या नृत्य का प्रशिक्षण।
- दो नये क्षेत्रीय गीत सीखना। इन क्षेत्रीय गीतों के प्रस्तुतीकरण तथा पोशाकों में भी अंतर को रेखांकित करना।
- भक्ति संगीत : कोई एक भजन , सूफी गीत शबद या अन्य धार्मिक गीत।
- कव्वाली का हाथ की ताली एवं सही अभिनय के साथ प्रशिक्षण।
- स्वतंत्रता दिवस से सम्बंधित देश भक्ति गीत एवं अन्य समारोह का अभ्यास।
- योजना कार्य: सी.डी. अथवा फाइल में किसी एक विषय पर (गीत – गायक , वाद्य–वाद्यकार एवं नृत्य नर्तिका)

द्वितीय आवधिक (अक्टूबर 2019 से मार्च 2020)

- राग ‘यमन ‘ – आरोह , अवरोह , पकड़ सहित द्रुत ख्याल का प्रशिक्षण।
- एक हिन्दुस्तानी संगीतज्ञ(वाद्यकाररर) की जीवनी।
- ताल से सम्बंधित पारिभाषिक शब्द: ठाह , दुगुन , ताली , खाली , मात्रा , विभाग , सम , आवर्तन आदि।
- सपताल,रूपक,दादरा,कहरवा एवं तीन ताल का ठाह,दुगुन,ताली,खाली के साथ अभ्यास।
  त्योहारों से सम्बंधित (बसंत / लोहड़ी / होली) किसी भी एक गीत का प्रशिक्षण एवं अभ्यास।
- दो नये देशभक्ति गीत सिखाना।
- परिभाषा : थाट , राग , जाति एवं ख्याल।
- विद्धार्थियों द्वारा स्वयं , हारमोनियम बजाकर ‘ सरगम ‘,अलंकार का अभ्यास।
- किसी भी क्षेत्र के समूह गीत का प्रशिक्षण एवं उसकों मिलकर गाने का अभ्यास।
- गणतन्त्र दिवस से सम्बंधित एक गीत एवं समारोह की तैयारी।
- पहले सीखे सभी तालों का अभ्यास।
- स्वरों का अभ्यास एवं तालों का अभ्यास।
- छात्रों की समस्याओं पर विचार तथा उनका निराकरण।